माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश

नवीन ब्लूप्रिन्ट आधारित
आदर्श प्रश्न पत्र एवं आदर्श उत्तर

कक्षा 12वीं

हिन्दी विशिष्ट
2008–2009

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

(द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित)

प्रश्न-पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा :– XII　　　　परीक्षा : हायर सेकण्डरी　　　　पूर्णांक :– 100

विषय :– हिन्दी विशिष्ट　　　　समय : 3 घण्टे

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	10अंक	
1.	**पद्य खण्ड** – पद्य साहित्य का विकास, काव्य प्रवत्तियाँ, कवि परिचय, व्याख्या सौन्दर्य, विषय बोध एवं मूल्य बोध पर प्रश्न।	27	5	3	2	–	5
2.	**गद्य खण्ड** – गद्य साहित्य विविध विधाएँ, लेखक परिचय, व्याख्या, विचार एवं विषय बोध पर प्रश्न	23	5	2	2	–	4
3.	**सहायक वाचन** – विविध पाठों की विषयवस्तु पर प्रश्न	10	5	–	1	–	1
4.	**भाषा बोध** – वाक्य बोध, वाक्य परिवर्तन, भाव विस्तार, शुद्धवाक्य रचना, मुहावरे तथा लोकोक्ति बोली, विभाषा, मातृभाषा, राजभाषा, राष्ट्र भाषा	10	5	–	1	–	1
5.	**काव्य बोध** – रस, अंग भेद, उदाहरण, अलंकार, छन्द, काव्य की परिभाषा एवं भेद, काव्य गुण	10	5	–	1	–	1
5.	**अपठित बोध** –	05	–	–	1	–	1
6.	**पत्र – लेखन**	05	–	–	1	–	1
8.	**निबन्ध लेखन** –	10	–	–	–	1	1
	योग =	**100**	**(25)=5**	**05**	**09**	**01**	**15+5 =20**

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के प्रारंभ में दिये जायेगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प का चयन तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1X 5 = 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर –40% सरल प्रश्न,　45% सामान्य प्रश्न,　15% कठिन प्रश्न

नोटः– प्रश्नपत्र को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से तथा प्रश्नपत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश करने के लिए अंकों का समायोजन (पत्र लेखन अपठित एवं निबंध को छोड़कर) शेष इकाइयों से किया गया है।

आदर्श प्रश्न पत्र – 2009
Class - XIIth
विषय – हिन्दी विशिष्ट

समय 3 घण्टे | पूर्णांक – 100

निर्देश :–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उसके सम्मुख अंकित हैं।
3. आरम्भ में दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्न सबसे पहले हल कीजिए।
4. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। प्रत्येक के लिए (5x5 = 25) एक–एक अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक के लिए चार–चार अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्रमांक 11 से 19 तक पाँच अंक प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित है।
7. प्रश्न क्रमांक 20 के लिए दस अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों का चयन कर कीजिए **5**

1) गौतम बुद्ध ने यशोधरा से भिक्षा में .... माँगा।

(पुत्र / चिर वियोग)

2) कवि निराला ने सूखी डाल की तुलना .... से की है।

(पार्वती / बसंत)

3) गणेश शंकर विद्यार्थी ने .... नामक हिन्दी साप्ताहिक पत्र प्रारम्भ किया।

(प्रताप / आजादी)

4) ''रामचन्द्रिका' के रचयिता प्रसिद्ध कवि .... हैं।

(पद्माकर / केशवदास)

5) .... के आगमन के साथ ही हिन्दी आलोचना का आरंभ माना जाना चाहिए।

(भरतेन्दु हरिश्चन्द्र / रामचन्द्र शुक्ल)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिये सही विकल्प चुनिए :– **5**

1) प्रेमचन्द की कहानियाँ आठ खंडों में प्रकाशित है।

   1. इदुंमति के 2. मानसरोवर के

   3. सरस्वती के 4. प्रताप के

2) लोकगीत धरोहर है, हमारी –

   1. नाटकों के 2. सिनेमा के

   3. संस्कृति के 4. मनोरंजन के

3) समाजिक यथार्थ का चित्रण मिलता है –

   1. छायावाद में 2. प्रगतिवाद में

   3. प्रयोगवाद में 4. रहस्यवाद में

4) गजाधरबाबू नौकरी करते थे –

   1. रेलवे में 2. शिक्षा विभाग में

   3. ऑफिस में 4. दुकान पर

5) नरेन्द्र कोहली के उपन्यास अंश 'देवकी' की कथा का आधार है:–

   1. ऐतिहासिक 2. सामाजिक

   3. पौराणिक 4. राजनितिक

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य छाँटिए – **5**

1) भाषा का सीमित रूप विभाषा है।

2) नदी के द्वीप, नदी के पुत्र की तरह होते हैं।

3) कवि सोम ठाकुर कथित वर्तमान शहरी विकास से बहुत प्रसन्न हैं।

4) कारण उपस्थित होते हुए भी जहां कार्य सम्पन्न न हो वहाँ विभावना अलंकार होता है।

5) अध्यक्षता करने के बाद अध्यक्ष सुख की नींद सोते हैं।

प्रश्न 4. निम्न वाक्य सही जोड़ी मिलान कर पूर्ण कीजिए – **5**

1) बाल लीला, वात्सल्य के चितेरे है –––––– पत्रकारिता की
2) वैज्ञानिक पृष्ठभूमि पर लिखा निबन्ध है –––––– मकान की
3) लेखक के व्यक्तिव की झलक मिलती है –––––– सूरदास
4) महानगरों में समस्या होती है –––––– नैनो टेक्नोलॉजी
5) साक्षात्कार विधा मूल रूप से देन है –––––– निबन्ध में

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों का एक शब्द अथवा एक वाक्य में उत्तर दीजिए – **5**

1) धनानन्द के अनुसार स्नेह का मार्ग कैसा है?
2) भय जब स्वभावग्रत हो जाता है तो क्या कहलाता है।
3) जिस वाक्य में एक उददे्श्य तथा एक विधेय होता है, वह कैसा वाक्य कहलाता है?
4) पाठ्य पुस्तक में किस कवि की उलट बाँसिया (विपर्यय) प्रसिद्व हैं?
5) ''मैं छोटा आदमी हूँ और छोटा बना रहना चाहता हूँ'' किस लेखक का कथन है?

प्रश्न 6. कवि वीरेन्द्र मिश्र ने प्रकृति के उपादानों से भारत माता के लिए क्या–क्या करने को कहा? **4**

(अथवा)

'देखों मालिन मुझे न तोड़ो कविता के आधार पर कवि 'सुमन' के दार्शनिक विचार लिखिए।

प्रश्न 7. कबीर ने शब्द की क्या महिमा बताई है? **4**

(अथवा)

'महत्ता' कविता में भारतवर्ष की किन–किन विशेषताओं का वर्णन किया गया है?

प्रश्न 8. छायावाद की तीन विशेषताएँ बताते हुए दो प्रमुख कवियों के नाम उनकी एक–एक रचना के साथ लिखिए। **4**

(अथवा)

हिन्दी कविता के आधुनिक विकासक्रम को विद्वानों ने किस प्रकार वगीकृत किया है? भारतेन्दु युग की दो विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 9. संस्मरण और रेखाचित्र में तीन अंतर स्पष्ट करते हुए दोनों विधाओं की एक–एक रचना का नाम उदाहरणस्वरूप लिखिए। **4**

(अथवा)

द्विवेदी युगीन निबन्धों की तीन विशेषताएँ बताईए तथा उस युग के दो प्रमुख लेखकों के नाम लिखिए।

प्रश्न 10. 'साहित्य में मैं स्नेह को बहुत महत्व देता हूँ' रामनारायण उपाध्यायजी के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। **4**

(अथवा)

'नये मेहमान' एकांकी के आधार पर महानगरों में आवास की समस्या पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 11. कारागार से लौटने के बाद कंस की मानसिकता का वर्णन कीजिए। **5**

(अथवा)

लता मंगेंशकर के गायन की विशेषताएँ बताईए। तथा लेखक के अनुसार भारतीय गायिकाओं में लता मंगेशकर का स्थान निर्धारित कीजिये।

प्रश्न 12. शांत रस की परिभाषा उदाहरण देते हुए लिखिए। **5**

(अथवा)

मन्तगयन्द (मालती) सवैया की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्रश्न 13. अ– **निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए –** **5**

टाँग अड़ाना, आँखों में खटकना

ब– राज भाषा किसे कहते है? राजभाषा की कोई दो विशेषताए लिखिये।

(अथवा)

अ– निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए–

1. मैं आज पढ़ूँगा। (निषेधात्मक वाक्य बनाइए)
2. तुम पढ़ने कब जाओगो ? (आज्ञावाचक वाक्य बनाइए)
3. बहुत सुंदर दृश्य है। (विस्मयादि वाचक वाक्य बनाइए)

ब– भावपल्लवन कीजिये –

''पर हित सरिस धरम नहीं महि पर पीड़ा सम नहीं' अधमाई''

प्रश्न 14. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अथवा डॉ. रघुवीर सिंह का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए – **5**

(1) दो रचनाएँ (2) भाषा–शैली (3) साहित्य में स्थान

प्रश्न 15. सूरदास अथवा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का काव्यगत परिचय निम्न बिंदुओं के आधार पर दीजिए– **5**

(1) दो रचनाएँ (2) भाव पक्ष–कलापक्ष (3) साहित्य में स्थान

प्रश्न 16. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की प्रसंग–सदर्भ सहित व्याख्या कीजिए – **5**

(1) भय की इस वासना का परिहार क्रमशः होता चलता है। ज्यों–ज्यों वह नाना रूपों से अभ्यस्त होता है, त्यों–त्यों उसकी धड़क खुलती जाती है। इस प्रकार अपने ज्ञान–बल, हदयबल और शरीर बल की वृद्वि के साथ वह दुःख की छाया मानों हटाता चलता है। समस्त मनुष्य जाति की सभ्यता के विकास का भी यही क्रम रहा है।

(2) असल प्रकाश तो हमारे जीवन में छिपा हुआ है–सृजन का प्रकाश! आदमी का आचरण, आदमी का शील, आदमी का श्रम,

आदमी का विवेक और आदमी की भावना जिसे छू ले, वह प्रकाशित हो जाए। बड़े–बड़े अँधेरों को तराशकर ये प्रकाश–निर्झर बहा दे।

प्रश्न 17. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की प्रसंग–संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए– **5**

(1) जाको नाम निरजण कहिणे, ताको ध्यान धरूँगी, हो।
गुरू, ज्ञान ऱगूं, तन कपड़ा, मन मुद्रा पेरूँगी, हो।
प्रेम प्रीत सूँ हरि गुण गाऊँ, चरणन लिपट रहूँगी, हो।
या तन की मैं करूँ कीगरीः रसना राम रटूँगी, हो।

(2) देश के भूगोल पर जब भेड़िए ललचा रहे हों
देश के इतिहास को जब देश द्रोही खा रहे हों
आग–यौवन के धनी! तुम खिड़कियाँ शीशे न तोड़ो,
भेड़ियों के दाँत तोड़ों, गर्दनें उनकी मरोड़ो।
जो विरासत में मिला, वह खून तुमसे कह रहा है–

प्रश्न 18. अपठित गद्यांश – **5**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मानव प्रकृति का अंग है। फिर भी वह न जाने प्रकृति से परोपकार का गुण क्यों नहीं सीखता है जिस धर्म का नाम लेकर वह रात–दिन शोर मचाता है, उसी धर्म के मूल स्वरूप दया–करूणा को वह भूल क्यों जाता है। वास्तव में करूणा ईश्वरीय गुण है। दया करूणा, परोपकार ये सभी सात्विक गुण हैं। मानव धर्म को तीन भागों में बाँटा गया है– रक्षा, पालन तथा रंजन। दया–करूणा और परोपकार का सीधा सबन्ध धर्म से ही है। इन्हीं गुणों से धर्म का दीपक प्रज्जवलित होता है।

प्रश्न–1 उपर्युक्त गद्यांश का सटीक शीर्षक दीजिए।

प्रश्न–2 उपर्युक्त गद्यांश का सार लिखिए

प्रश्न–3 मानवधर्म को किन तीन भागों में बाँटा गया है।

प्रश्न 19. अपने प्राचार्य को पत्र लिखिए जिसमें खेलो के सामान की समुचित व्यवस्था करने का आग्रह किया गया हो। **5**

(अथवा)

अपने चाचाजी को पत्र लिखकर उनके द्वारा आपके जन्म–दिवस पर भेजे गए उपहार के लिए कृतज्ञता व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 20. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए – **10**

(1) इंटरनेट – सूचना प्रौद्योगिकी में क्रांति

(2) आतकंवाद – अतंर्राष्ट्रीय समस्या

(3) सबके लिए शिक्षा

(4) वह दुर्घटना जो मैं भुला नहीं सकी/सका

——//——

आदर्श उत्तर – 2009
Class - XIIth
विषय – हिन्दी विशिष्ट

समय 3 घण्टे | पूर्णांक – 100

उत्तर 1	**वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिये।**				**5**
	1) चिर वियोग	2) पार्वती	3) प्रताप		
	4) केशवदास	5) भारतेन्दू हरिश्चन्द्र			
उत्तर 2	**सही विकल्प का चयन कीजिये।**				**5**
	1) मान सरोवर	2) संस्कृति के	3) प्रगतिवाद		
	4) रेलवे में	5) पौराणिक			
उत्तर 3	**सत्य/असत्य छाँटिए –**				**5**
	1) सत्य	2) सत्य	3) असत्य		
	4) असत्य	5) सत्य			
उत्तर 4	**सही मिलान कीजिये।**				**5**
	1) सूरदास	2) नैनों टेक्नोलॉजी	3) निबन्ध में		
	4) मकान की	5) पत्रकारिता की			
उत्तर 5	**निम्न प्रश्नों का एक शब्द में उत्तर दीजिए।**				**5**
	1) अत्यन्त सरल	2) कायरता	3) सरल वाक्य		
	4) कबीर	5) राम दरशमिक्ष			

उत्तर 6 कवि वीरेन्द्र मिश्र ने ग्रह–नक्षत्रों से भारत माँ की जय बोलने का आग्रह किया। ऋतुएँ नवीन वस्त्र देकर, झुलसी धरती को सावन का दान देकर, सूरज को ज्ञान की किरण देकर, नदियाँ शांति और संस्कृति की धाराओं को बहाकर, बच्चों के समान पवित्र भावना प्रदान करने की विनती की है। **4**

(अथवा)

'देखो मालिन मुझे न तोड़ो कविता के माध्यम से कवि ने जीवन के क्षणिक सुख का आनन्द लेने की बात कही है। फूल और मालिन की तुलना करते हुए वे दोनों को ही तन–मन से कोयल मानते हैं। दोनों का ही यौवन, आकर्षण क्षणिक है, दोनों ही शीघ्र मुरझाने वाला जीवन जीते हैं अतः क्षणिक जीवन का आनन्दोत्सव मनाने का आग्रह फूल–मालिन से करते हैं। प्रस्तुत कविता के माध्यम से जीवन की क्षणभंगुरता की ओर संकेत किया गया है।

उत्तर 7 कबीर ने शब्दों की महिमा बताते हुए कहा है कि शब्दों का चयन बोलते समय बहुत सावधानी से करना चाहिए क्योंकि शब्द ही कभी घाव दे देते हैं तो कभी औषधी का काम भी करते हैं। जिन लोगों ने जीभ को अपने वश में नहीं रखा अर्थात वाणी पर नियन्त्रण नहीं किया तो अत्यन्त अवगुण भी उत्पन्न हुए होंगे इस प्रकार वाणी नियन्त्रण से संसार को अपने वश में किया जा सकता है। **4**

(अथवा)

'महन्ता' कविता में कवि गुप्त जी ने भारत की महत्ता का बखान करते हुए कहा है कि भारत कभी भी ज्ञान शुन्य नहीं रहा। यहाँ का इतिहास प्राचीनतम है, सारे उपदेश, सारा ज्ञान भण्डार भारत ने ही विश्व को दिया है। स्वयं कष्ट सहकर दूसरों को जीवन देना, यूनान जैसे देशों को भी फिर से जीवित किया। इस प्रकार सारे देशों के गुरू के रूप में भारत को सम्मान दिया जाना चाहिए।

उत्तर 8 छायावाद की विशेषताएँ– व्यक्तिवाद की प्रधानता, श्रृंगार भाव, प्रकृति का मानवीकरण, सौंदर्यानुभूति, वेदना एवं करूणा का आधिक्य, अज्ञात सत्ता के प्रति प्रेम, नारी को सम्मान। प्रमुख कवि– (1) जयशंकर प्रसाद– कामायनी, लहर (2) निराला– परिमल, गीतिका (3) महादेवी वर्मा–रश्मि, नीरजा, नीहार (4) सुमित्रा नदंन पंत–पल्लव, ग्रंथि, गुंजन, वीणाँ। **4**

(अथवा)

हिन्दी कविता के आधुनिक काल के विकासक्रम को निम्न बिन्दुओं के आधार पर बाँटा गया है –

(1) भारतेदुं युग – 1850 से 1900

(2) द्विवेदी युग – 1900 से 1920

(3) छायावादी युग – 1920 से 1936

(4) प्रगतिवादी युग – 1936 से 1943

(5) प्रयोगवादी युग – 1943 से 1950

(6) नई कविता – 1950 से आज तक

भारतेन्दु युगीन काव्य

(1) राष्ट्रीयता की भावना (2) सामाजिक चेतना (3) हास्य व्यंग्य

उत्तर 9 संस्मरण – रेखाचित्र में अंतर 4

1) संस्मरण किसी स्मरणीय व्यक्ति या घटना की यादों का व्यक्तिगत सम्बन्धों के आधार पर वर्णन है।

2) रेखा चित्र व्यक्ति, वस्तु या दृश्य का सजीव चित्राकंन है संस्मरण वास्तविक होता है, रेखाचित्र में कल्पनातत्व अधिक होता है

3) संस्मरण अतीत का होता है, रेखा चित्र किसी भी काल का हो सकता है।

(अथवा)

द्विवेदी युगीन निबन्धों की विशेषताएँ –

1) भाषा की शुद्वता पर ध्यान

2) व्याकरण सम्मत शुद्ध भाषा का चलन

3) ज्ञान–विज्ञान सम्बन्धी विषयों का समावेश

4) गंभीर विषय चिंतन की प्रधानता

उत्तर 10 लेखक के अनुसार पैसा तो कोई भी कमा सकता है किंतु स्नेह पात्र बनाने का काम साहित्यकार ही कर सकता है। इसलिए लेखक को बड़े आदमी से मिलने में अधिक सुख नहीं मिलता, उन्हें स्नेह करने वाले लोग उनको ऊर्जा देते हैं। पाठकों का सच्चा स्नेह लेखक के पुस्तकों की रॉयल्टी है। **4**

(अथवा)

'नये मेहमान' एकांकी में महानगरों में आवास समस्या को समक्ष रखा गया है। महँगाई में छोटे–छोटे घरों में रहना, व्यक्तिगत स्वतन्त्रता खोना, खर्च करने पर भी पर्याप्त सुविधाओं का आभाव एवं मेहमानों के आने पर आने वाली समस्याओं के हर पक्ष को एकांकी में उतारा गया है।

उत्तर 11 कारागार से लौटने के बाद कंस की व्याकुलता बढ़ गई। वह रात–भर सो न सका! देवकी के कथानुसार देवकी की अलौकिक संतान की चिंता ने उसे भयाक्रांत कर दिया वह अपने पलंग पर करवटे बदलता रहा। **5**

(अथवा)

लता मंगेशकर के गायन में निम्नलिखित विशेषताएँ दृष्टिगोचर होती है – गानपन, कोमलता, मुग्धता, निर्मलता, करूण रस की प्रभावशाली प्रस्तुति, सुलभता, लोच शास्त्रीय संगीत की मर्मज्ञता आदि। लेखक के अनुसार भारतीय गायिकाओं में लता के जोड़ की कोई गायिका नहीं है उन्ही के कारण संगीत को और मनोरंजन की दुनिया को एक विलक्षण ऊंचाई प्राप्त हुई है। इस प्रकार लता ने नई पीढ़ी के संगीत को संस्कारित किया है।

उत्तर 12 शांत रस की परिभाषा – **5**

संसार की असारता एवं जगत की क्षणभंगुरता का अनुभव होने पर हृदय में तत्व ज्ञान या वैराग्य भावना के जागृत होने पर शांत रस निष्पन्न होता है। इसका स्थायी भाव निर्वेद है।

विद्यार्थी भाव के अनुरूप शान्त रस का कोई सा भी उदाहरण लिखेंगे।

(अथवा)

मन्तगयन्द सवैया – इस वर्णिक छंद में चार चरण होते हैं प्रत्येक चरण में सात भगण और दो गुरू के क्रम से 23 वर्ण होते हैं। इसे मालती सवैया भी कहते है। –

उदाहरण – धूरि भरे अति शोभित श्याम जू, तैसीबनी सिर सुंदर चोटी।

खेलत खात फिरे अंगना, पग पैजंनी बाजति पीरी कटौरी।

वा छवि को रसखानि बिलोकत, वारत काम कला निधि कोटी।

काग के भाग बड़े सजनी, हरि सों हाथ सों ले गयौ माखन रोटी।

उत्तर 13 (अ) मुहावरों के अर्थ **5**

क्रमशः :– बाधा डालना, अप्रिय होना, पराजित होना

वाक्यों में प्रयोग छात्र विवेकानुसार करेंगे।

(ब) राजकीय या राज–काज में प्रयोग आने वाली भाषा राज भाषा है। – इसे शासन द्वारा मान्यता प्राप्त होती है। इसमें मानक शब्दावली का प्रयोग होता है। इसके अलावा अन्य विशेषताएं भी लिख सकते है।

(अथवा)

(अ) मैं आज नहीं पढूंगा। (निषेधात्मक)

तुम पढ़ने जाओ। (आज्ञावाचक)

वाह बहुत सुंदर दुश्य है।(विस्मयादिबोधक)

(ब) व्यक्ति के लिये परोपकार या पर हित से बढ़कर कोई धर्म नहीं है ?

उत्तर 14 श्रीरामचन्द्र शुक्ल का साहित्यक परिचय – **5**

– रचनाएँ – चिंतामणी भाग–1 एवं 2

– हिन्दी साहित्य का इतिहास

भाषा–शैली– भारतीय पाश्चात्य शैलियों का समन्वय, मनोभावों का चित्रण, रोचक उदाहरण, तारतत्यता, परिमार्जित एवं प्रौढ़ भाषा, व्यास व प्रवाह शैली

स्थान – श्रेष्ठ अलोचक के रूप में प्रतिष्ठित है।

डॉ. रघुवीर सिंह

रचनाएँ– शेष स्मृतियाँ, सप्त द्वीप, बिखरे फूल, जीवन कण भाषा–शैली भाषा सरल, स्पष्ट, संस्कृनिष्ठ होते हुए भी सुबोध है आवश्यकतानुसार उर्दृ का प्रयोग, मुहावरों और लोकोक्तियों का भी स्वाभाविक प्रयोग हुआ है।

स्थान ऐतिहासिक निबंधकारों में महत्वपूर्ण स्थान

उत्तर 15 **सूरदास** – **5**

रचनाएँ – सूरसागर, साहित्यलहरी

भावपक्ष कलापक्ष,– ब्रज भाषा का प्रयोग, माधुर्यश संवेदनशीलता, भावप्रवणत्ता, सरव्य भाव वात्सल्य, और वैराग्य, दीनता, आत्मा निवेदन के भावों में दक्ष

स्थान–साहित्य जगत के सूर्य

सूर्यकांत त्रिपाठी : 'निराला'

रचनाएँ– अनामिका, परिमल, गीतिका, कुकुरमुत्ता, अणिमा

भाव एवं कला पक्ष – दार्शनिक विचारधारा, गंभीरचिंतक

भाव–सौन्द्रर्य, परिनिष्ठित भाषा, संस्कृत निष्ठता, प्रतीकात्यकता, संक्षिप्ता, संगीतात्मकता, प्रगतिवादी विचारधारा

स्थान– छायावाद के प्रमुख स्तम्भ के रूप में प्रकाशवान

उत्तर 16 (1) गघांश की व्याख्या **5**
पाठ – भय
लेखक – रामचन्द्रशुक्ल
व्याख्या – छात्र विवेकानुसार संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या करेंगे।
(2) व्याख्या
पाठ – तिमिरगेह में किरण–आचरण
लेखक श्यामसुंदर दुबे
व्याख्या – छात्र विवेकानुसार संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या करेंगे।

उत्तर 17 व्याख्या **5**

(1) पदावली कवयित्री – मीरा बाई
भाव सौन्द्रर्य उभारते हुए छात्र स्वयं सार गर्भित व्याख्या करेंगे।
(2) कविता – राष्ट्र के श्रृंगार
कवि – श्रीकृष्ण सरल

छात्र व्याख्या स्वविवेकानुसार करेंगे।

उत्तर 18 अपठित गद्यांश– **5**

1) मानव धर्म या इससे मिलते–जुलते शीर्षक
2) सार–छात्र स्वविवेकानुसार लिखेंगे।
3) रक्षा, पालन तथा रंजन–मानव धर्म को इन तीन भागों में वाँटा गया है।

उत्तर 19 सम्बोधन, मध्यभाग मुख्य विषय, लेखक परिचय आदि सही होने पर अंक दिए जाएँ। **5**

उत्तर 20 छात्रों द्वारा निबंध लेखन में शब्द चयन, प्रस्तुतिकरण, क्रमबद्धता, बिन्दुवार विषय विस्तार, मौलिक चिन्तन, क्रमबद्धता वैचारिक अर्न्तसम्बन्ध भाषा, अभिव्यक्ति, सूक्तियों का प्रयोग एवं प्रभाव के आधार पर अंक दिए जाएँ। **10**

––//––